विचार प्रवाह

बच्चों के हाथ रंगे हैं, मगर दाग हमारे हैं



हम बच्चों के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित रहते हैं। जन्म लेते ही अच्छे स्कूल की तलाश शुरू हो जाती है। फिर कोचिंग, प्रतियोगिता और करियर की दौड़ जुड़ जाती है। मगर इस पूरी कवायद में एक जरूरी सवाल पीछे छूट जाता है–बच्चा अच्छा इंसान भी बन रहा है या नहीं? पंचकूला के एक सरकारी स्कूल में आठ साल के बच्चे ने छह साल की मासूम बच्ची पर ईंट और गमले से हमला कर दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हुई तो समाज की नींद खुली। टीवी पर बहसें छिड़ गईं और अखबार चिंता जताने लगे। लेकिन सवाल है कि इतनी कम उम्र में बच्चे के भीतर इतनी हिंसा आई कहाँ से? किसने उसके मन में यह सोच भरी कि किसी को चोट पहुँचाना ताकत है? और हम अब तक क्या करते रहे?

घटना सामने आते ही स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था कठघरे में आ गई। कैमरे लगे थे, लेकिन निगरानी कौन कर रहा था? कर्मचारी कितने थे और बच्चों की सुरक्षा का जिम्मा किस पर था? प्रशासन कहाँ चूका? सवाल जरूरी हैं, लेकिन हर बड़ी घटना के बाद हम एक दोषी खोजकर बाकी सबको बरी कर देते हैं। स्कूल पर कार्रवाई होगी, अधिकारी निलंबित होगा, जाँच समिति रिपोर्ट देगी और फिर मामला अगली खबर के नीचे दब जाएगा। मगर उन स्कूलों का क्या, जहाँ रोज धमकियाँ और मारपीट होती हैं? वहाँ न फुटेज सामने आती है, न बहस छिड़ती है। परिवार भी कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं–बच्चे हैं, लड़ते रहते हैं। जब तक खून न बहे, हम हिंसा को शरारत मानकर अनदेखा करते रहते हैं।

बच्चों के प्रति घर में भी हमारी जिम्मेदारी कम नहीं है। बच्चा मोबाइल माँगता है और हम थमा देते हैं। वह चुप हुआ तो घर में शांति हो गई। माता-पिता काम में लग गए और मोबाइल उसका साथी बन गया। वह क्या देखता है, कौन-से खेल खेलता है और उसके मन पर क्या असर पड़ता है, इसकी फिक्र किसे है? तकनीक से परिचित कराना और बच्चे को उसके हवाले करना अलग बातें हैं। बच्चा हिंसक दृश्य देखता है, आक्रामक खेल खेलता है और गुस्से भरी भाषा सुनता है। हम नहीं सोचते कि वह इससे क्या सीख रहा है। पंचकूला की घटना में भी आरोपी बच्चे के हिंसक गेम खेलने की बात सामने आई। यह अकेला कारण नहीं, लेकिन सवाल है–बच्चों की डिजिटल दुनिया पर निगरानी कौन रख रहा है?

सरकारों का रवैया भी जाना-पहचाना है। घटना होते ही बाल अधिकार आयोग संज्ञान लेता है, शिक्षा विभाग रिपोर्ट माँगता है, पुलिस जाँच करती है और अधिकारी बैठकें बुलाते हैं। फिर कैमरे लगाने, सुरक्षा बढ़ाने और काउंसलिंग के निर्देश जारी होते हैं। कागजों पर सब दुरुस्त दिखता है, लेकिन हकीकत क्या है? कितने विद्यालयों में प्रशिक्षित काउंसलर हैं? कितनों में नियमित मनोवैज्ञानिक परामर्श होता है? कितने शिक्षकों को तनाव और आक्रामकता के संकेत पहचानने का प्रशिक्षण मिला है? कितने विद्यालयों में कैमरों की निगरानी और सुरक्षित शिकायत व्यवस्था है? इन सवालों के जवाब बिना निलंबन और जाँच को समाधान मानना आत्मसंतोष है। सुरक्षा का उद्देश्य सबूत जुटाना नहीं, घटना रोकना है।

बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी हम एक-दूसरे पर टालते रहते हैं। माता-पिता स्कूल को, स्कूल घर के संस्कारों को और समाज सरकार को दोष देता है। शिकायतें सबके पास हैं, लेकिन जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। बच्चों को उपदेश खूब मिलते हैं, उदाहरण कम। हम चाहते हैं कि वे गुस्सा न करें, लेकिन उनके सामने खुद गुस्से से बात करते हैं। उनसे सम्मान की अपेक्षा रखते हैं, जबकि घर में अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं। चाहते हैं कि वे मोबाइल से दूर रहें, लेकिन परिवार का हर सदस्य अपनी स्क्रीन में डूबा रहता है। बच्चों को सीख देने से पहले हमें अपने आचरण की पाठशाला सुधारनी होगी।

पंचकूला की घटना को सनसनीखेज खबर बनाकर भुला देना आसान है। कुछ दिन बाद दूसरी घटना होगी, बहसें होंगी और हम दिनचर्या में लौट जाएँगे। लेकिन बचपन की समस्याएँ बच्चों के मन में गहरी होती जाती हैं।

इसलिए कैमरों के साथ घरों में संवाद और विद्यालयों में संवेदनशीलता बढ़ानी होगी। प्रशिक्षित काउंसलर, सुरक्षा निरीक्षण, प्रभावी शिकायत व्यवस्था, शिक्षक प्रशिक्षण और अभिभावक मार्गदर्शन जरूरी हैं। बच्चों को सिखाना होगा कि असली ताकत दूसरों को डराने में नहीं, अपने गुस्से पर नियंत्रण और दूसरों के सम्मान में है। बच्चे अचानक हिंसक नहीं बनते; उनकी परवरिश, शिक्षा और सामाजिक वातावरण भी उनके व्यवहार को गढ़ते हैं। बच्चों का भविष्य वही समाज गढ़ता है, जो आज उन्हें सही दिशा देता है।

कृति आरके जैन
शिक्षाविद् बड़वानी (मप्र)

कपास की फसल के बीच उगा रखे थे गांजे के पौधे, पुलिस ने 32 किलो गांजा किया जब्त

भीकनगांव पियूष अग्रवाल
इंदौर समाचार भीकनगांव। अवैध मादक पदार्थों की खेती के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भीकनगांव पुलिस ने ग्राम लछौरा में कार्रवाई करते हुए गांजे के 36 हरे पौधे जब्त किए हैं। इनका कुल वजन 32 किलोग्राम बताया गया है, जबकि अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 20 हजार रुपए है। आरोपी ने अपने खेत में कपास की फसल के बीच गांजे के पौधे लगा रखे थे।



36 हरे पौधे जब्त, कीमत करीब 3.20 लाख रुपए; खेत मालिक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

पुलिस के अनुसार, 4 नवंबर को थाना भीकनगांव पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम लछौरा निवासी मेहताब ने अपने खेत में कपास की फसल के बीच अवैध रूप से गांजे के पौधे लगा रखे हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

एसडीओपी केतन अडलक के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक बलरामसिंह राठौर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर खेत पर दबिश दी गई।

पुलिस टीम ने खेत में तलाशी के दौरान कपास की फसल के बीच लगे गांजे के 36 हरे पौधे बरामद किए। इनका वजन 32 किलोग्राम और अनुमानित कीमत 3 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई। पुलिस ने सभी पौधों को विधिवत जब्त कर खेत मालिक मेहताब पिता अनसिंग निवासी ग्राम लछौरा के खिलाफ अपराध क्रमांक 656/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

आरोपी की तलाश जारी

पुलिस के अनुसार, मामले में आरोपी मेहताब की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इनकी रही कार्रवाई में भूमिका एसडीओपी केतन अडलक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बलरामसिंह राठौर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रितेश तायडे, मोहर बघेल, बोंदर सिंह जमरे, तिलक ढाकसे सहित थाना भीकनगांव के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खबर का असर

मुख्यमंत्री नल-जल योजना के तहत बड़गांव रोड पर जोड़े गए पाइपलाइन के पॉइंट, गड्ढे भी भरवाए





इंदौर समाचार की खबर के बाद कर्मचारियों ने लिया संज्ञान, ग्रामीणों को आवागमन में मिलेगी राहत

इंदौर समाचार/सेवकराम चौबे कसरावद। ग्राम बड़गांव रोड पर मुख्यमंत्री नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई और अधूरे कार्य को लेकर प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है।

समाचार के माध्यम से ग्रामीणों की परेशानी सामने आने के बाद योजना से जुड़े कर्मचारियों ने मामले को संज्ञान में लिया और तत्काल कार्रवाई करते हुए पाइपलाइन के शेष पॉइंट जोड़ने के साथ ही खुदाई से बने गड्ढों को भी भरवाया।

गौरतलब है कि योजना के तहत बड़गांव रोड पर खुदाई कर दी गई थी, लेकिन पाइपलाइन के कनेक्शन अधूरे होने और गड्ढे खुले पड़े रहने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सड़क पहले से ही संकरी होने के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को विशेष दिक्कत हो रही थी। रात के समय दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई थी।

इस समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए इंदौर समाचार में खबर प्रकाशित की गई थी। खबर सामने आने के बाद संबंधित कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए अधूरे कार्य को पूरा करने की दिशा में कदम उठाया और गड्ढों को भरवाया।

ग्रामीणों ने समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित करने और कर्मचारियों द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर कार्रवाई किए जाने पर राहत जताई। यह मामला एक बार फिर दर्शाता है कि जनसमस्याओं को जिम्मेदारी के साथ उठाने पर संबंधित विभागों तक आवाज पहुंचती है और समाधान की दिशा में कार्रवाई संभव होती है।

दीपावली पर्व पर श्री बद्रीविशाल मंदिर में होंगे विभिन्न आयोजन



नागदा जं. निप्र। श्री बद्रीविशाल मंदिर में 8 नवंबर रविवार को दीपावली मनाई जावेगी। इस अवसर पर मंदिर में भगवान का विशेष श्रृंगार होगा व मंदिर में रोशनी की जावेगी। सुबह 7.15 पर आरती होगी, संध्या 6 बजे से मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित किये जायेंगे।

कार्यक्रम के तहत 9 नवंबर सोमवार को श्री बद्रीविशाल मंदिर में अन्नकूट महोत्सव व पोरवाल समाज का दीपावली मिलन समारोह आयोजित होगा। इसके तहत 9 नवंबर को प्रातः मंदिर में गोवर्धन पूजा होगी व संध्या 5रू00 बजे अन्नकूट महोत्सव की महाआरती होगी व भगवान को 56 भोग का प्रसाद चढ़ाया जायेगा। इसके पश्चात् पोरवाल समाज का दीपावली मिलन समारोह व महाप्रसादी होगी।

पोरवाल समाज अध्यक्ष ज्ञानेश्वर पोरवाल, उपाध्यक्ष कैलाश सेठिया, समाजसेवी नन्दकिशोर पोरवाल, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र पोरवाल, सचिव अशोक पोरवाल, सहसचिव रमेशचन्द्र फरक्या सहित मंदिर समिति सदस्यों व पोरवाल समाज के सदस्यों ने सभी स्वजाति बंधुओं से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है। यह जानकारी योगेन्द्र पोरवाल ने दी है।

नीरा आनंद क्लब द्वारा किया जा रहा हर घर दिवाली अभियान

आलीराजपुर । नीरा आनंद क्लब आलीराजपुर द्वारा आज 5 नवंबर, गुरूवार को राज्य आनंद संस्थान भोपाल के तत्वाधान में ''हर घर दिवाली'' अभियान अंतर्गत दीपावली पर्व की खुशी में आलीराजपुर के गरीब बस्ती में निवासरत परिवारों को सामाजिक समरसता का अहसास करवाते हुए एवं जीवन को आनंदित करते हुए सामग्री जैसे- मिट्टी के दिए, कपड़े, पटाखें, स्टेशनरी, खाने की सामग्री, चॉकलेट्स, मिठाई एवं अन्य अति आवश्यक सामग्री का वितरण करने का आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्य हेतु सभी इच्छुक व्यक्ति भगतसिंह मार्ग, असाड़पुरा, आलीराजपुर पर एकत्रित होंगे। नीरा आनंद क्लब द्वारा उक्त कोई भी सामग्री निस्वार्थ देने का उद्देश्य रखने वाले सभी इच्छुक भाइयों, बहनों एवं मातृशक्तियो को सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया। सहभागिता हेतु नीरजा चंदेल से उनके मोबाईल 9753053808 पर संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत रामेश्वरम यात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित

आलीराजपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत रामेश्वरम तीर्थ यात्रा के लिए आलीराजपुर जिले को कुल 156 बर्थ आवंटित किए गए हैं। संशोधित कार्यक्रम अनुसार यात्रा 02 दिसंबर 2026 से 07 दिसंबर 2026 तक आयोजित होगी।

भीकनगांव में निकली पंचमुखी हनुमान की 101वीं प्रभात फेरी, जयकारों से गूंजा नगर

चार घंटे तक निकली प्रभात फेरी, जगह-जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

भीकनगांव पियूष अग्रवाल
इंदौर समाचार भीकनगांव। बुधवार तड़के करीब 4 बजे नगर की गलियां भक्ति और जयकारों से गूंज उठीं। पंचमुखी संकट मोचन हनुमान मंडल के तत्वावधान में पंचमुखी हनुमान की प्रतिमा के साथ नगर में 101वीं प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

प्रभात फेरी की शुरुआत स्थानीय खेड़ापति हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुई।

इसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज और भजनों के बीच श्रद्धालु हाथों में



धार्मिक ध्वज लेकर नगर भ्रमण पर निकले। रथ पर विराजित पंचमुखी हनुमान की प्रतिमा के साथ निकली प्रभात फेरी में जय श्रीराम और सियाराम जय राम, जय जय राम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

करीब चार घंटे तक चली प्रभात फेरी का नगर के विभिन्न मार्गों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पूरे मार्ग में श्याम खांडिया ने भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर किया। नगर भ्रमण के बाद प्रभात फेरी पुनः खेड़ापति हनुमान मंदिर पहुंची, जहां भव्य आरती और महाप्रसादी के साथ आयोजन का समापन हुआ।

मंडल के श्याम खांडिया ने बताया कि मंडल के सदस्य अलग-अलग गांवों में सुबह पहुंचकर पंचमुखी हनुमान की प्रतिमा के साथ प्रभात फेरी निकाल रहे हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को भक्ति से जोड़ना और गांव-गांव में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण निर्मित करना है। आयोजन में बच्चों और युवाओं की बढ़ती भागीदारी विशेष आकर्षण रही।

मंडलेश्वर के मुख्य बाजार एमजी रोड पर इस वर्ष पूरी तरह बंद रहेगी हिंगोट फटाखा आतिशबाजी

मंडलेश्वर । नगर में आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थानीय पुलिस थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनधन की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए एक बड़ा निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया, जिसके तहत दीपावली पर्व पर नगर के मुख्य बाजार (एमजी रोड) में वर्षों से होने वाली आमने-सामने की जोखिमभरी हिंगोट आतिशबाजी पर इस वर्ष पूर्णतः रोक लगा दी गई है।

मुख्य बाजार क्षेत्र में आतिशबाजी और हिंगोट के इस्तेमाल के कारण आम नागरिकों, राहगीरों और दुकानदारों के लिए हमेशा गंभीर खतरा बना रहता था। स्थानीय वरिष्ठ व्यापारियों और नागरिकों द्वारा लंबे समय से इस जोखिमभरी आतिशबाजी को बंद करने की मांग उठाई जा रही थी। बैठक के दौरान नगर के वरिष्ठ नागरिकों और व्यापारियों ने थाना प्रभारी पंकज तिवारी के समक्ष इस विषय को पुनः मजबूती से रखा। इस संवेदनशील मुद्दे को गणमान्य नागरिक हरिप्रसाद अग्रवाल, गणेश मामा पाटीदार तथा पत्रकार संघ अध्यक्ष राजेश पंवार ने प्रमुखता से उठाया।

वरिष्ठजनों की मांग और जनसुरक्षा के इस गंभीर विषय पर थाना प्रभारी पंकज तिवारी ने सभी की सहमति से सर्वसम्मति से एमजी रोड व मुख्य बाजार में हिंगोट और आतिशबाजी को पूरी तरह प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया और कड़े निर्देश दिए। पुलिस प्रसासन ने चेतावनी दी है कि सर्वसम्मति से तय किए गए इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

त्यौहारी सीजन के दौरान नागरिकों और दुकानदारों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने बैठक में जानकारी दी कि त्यौहार के दिनों में नगर परिषद की ओर से मुख्य बाजार और आवागमन के सभी रास्तों पर विशेष साफ-सफाई व धुलाई कराई जाएगी। इसके अलावा सड़कों पर सुरक्षा और पार्किंग व्यवस्था के लिए चुना लाइन डाली जाएगी, प्रकाश व्यवस्था हेतु हैलोजन लाइटें लगाई जाएंगी तथा मुख्य बाजार के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर आकर्षक गेट और विशेष लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी।



बैठक के दौरान त्यौहारों के अवसर पर बढ़ रहे ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों के प्रति नागरिकों को सतर्क करने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस के जन-जागरूकता अभियान 2026 के तहत सुरक्षित क्लिक 2.0 (सुरक्षित क्लिक - सुरक्षित जीवन) अभियान का संदेश भी साझा किया गया। पुलिस प्रशासन ने अपील करते हुए कहा कि सावधानी ही सुरक्षा है और क्लिक करने से पहले सोचें के सिद्धांत को अपनाते हुए किसी भी लुभावने लिंक या ऑनलाइन ठगी से बचें–रुकें, सोचें और फिर कार्रवाई करें। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या आधिकारिक पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। मध्य प्रदेश पुलिस नागरिकों की सेवा में सदैव तत्पर है और इस सुरक्षा अभियान को सफल बनाने में सभी का सहयोग अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट तथा सोशल मीडिया माध्यमों पर संपर्क किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ नगर के जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और विभिन्न समाजों के प्रमुख नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक में नायब तहसीलदार संजय बावेल, थाना प्रभारी पंकज तिवारी, नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे, पत्रकार संघ अध्यक्ष राजेश पंवार , पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज शर्मा, भाजपा नेत्री एवं एल्डरमेन मंजुला मेवाड़े, मुस्लिम समाज सदर साहिल कुरैशी, हरिप्रसाद अग्रवाल, गणेश मामा पाटीदार, महेंद्रकुमार जैन, लोकेश केवट, संयम जैन, राहुल कुमरावत, चंचल अग्रवाल, संजय कलोसिया, मनीष राठौड़, अक्षयसिंह कुशवाहा, पवन अग्रवाल, अनिरुद्ध हलवे, लीला वर्मा, विजय राठौड़, मनोज कुमरावत, मोंटी कुरैशी, साबिर खान पठान, दानिश जोये, विकास राठौड़, सीताराम वर्मा, आदर्श मेवाड़े, सुरेंद्र वर्मा, शैलेंद्र गौहर और मनोहर गौहर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।